मंगलवार
34 साल से देहरादून का विश्वास
03 मार्च 2026
● देहरादून
● वर्ष 34
● अंक 39
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक
आर.एन.आई. : 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

'रंगों' पर पहरा!

उत्तराखंड के इन गांवों में होली खेलना मना!

❑ गांवों में होली पर रंग और ढोल-नगाड़ों संग नहीं मनाया जाता जश्न
❑ इष्टदेवी को नहीं है शोर-शराबा, हुड़दंग और चमकीले रंग पसंद

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। देशभर में फागुन के महीने में लोग रंगों और गुलाल में सराबोर नजर आते हैं और होली का त्योहार देभर में रंग, गुलाल और खुशियों के साथ मनाया जाता है। लेकिन उत्तराखंड राज्य के रुद्रप्रयाग जिले में दो गांव ऐसे भी हैं, जहां डेढ़ सदी से होली के त्योहार पर सन्नाटा पसरा रहता है। इन गांवों में लोग होली पर सिर्फ पकवान बनाकर होली का आनंद लेते है। इन गांवों के ग्रामीण परंपरा का निर्वहन करते हुए 150 से अधिक साल से होली खेलने से परहेज करते है।

ग्रामीण बताते हैं कि इसके पीछे एक धार्मिक मान्यता और पुरानी लोककथा है। ग्रामीणों के अनुसार उनकी इष्टदेवी मां त्रिपुरा सुंदरी को शोर-शराबा, हुड़दंग और चमकीले रंग पसंद नहीं हैं। गांव के लोगों का विश्वास है कि यदि वह होली खेलेंगे तो देवी की शांति भंग होगी और इसका दुष्परिणाम पूरे गांव को भुगतना पड़ सकता है। इसी कारण यहां के लोग सादगी और शांति के साथ सामान्य दिन की तरह समय बिताते हैं। वह देवी की पूजा-अर्चना तो करते हैं, लेकिन रंगों का प्रयोग नहीं करते हैं।

ग्रामीणों का मानना है कि देवी की कृपा से ही उनका गांव सुरक्षित और खुशहाल है।

यह परंपरा बताती है कि भारत के अलग-अलग हिस्सों में त्योहारों को लेकर अपनी-अपनी मान्यताएं और परंपराएं हैं, जहां एक ओर देशभर में होली रंगों और उत्साह का प्रतीक है, वहीं उत्तराखंड के दो गांवों में यह दिन आस्था, श्रद्धा और अनुशासन का प्रतीक बन गया है।

महामारी के बाद बदली परंपरा

ग्रामीणों के अनुसार, लगभग 150 से 300 साल पहले गांव के लोगों ने होली खेलने की कोशिश की थी। इसके कुछ ही समय बाद गांव में हैजा जैसी भयंकर महामारी फैल गई और कई लोगों की जान चली गई। ग्रामीणों ने इस घटना को दैवीय प्रकोप माना और यह मान लिया कि देवी होली के शोर-शराबे से नाराज हो गई थी। तभी से गांव में होली खेलने पर पूरी तरह रोक लगा दी गई और तब से आज तक यह परंपरा चली आ रही है।

होली से पहले दून में बवाल

❑ गुब्बारे फेंकने पर तोड़-फोड व मारपीट

हमारे संवाददाता

देहरादून। राजधानी देहरादून में होली का उत्साह शुरू होने से पहले ही घंटाघर-चकराता रोड पर हुई एक घटना ने माहौल तनावपूर्ण कर दिया। पानी से भरे गुब्बारे फेंकने को लेकर शुरू हुआ विवाद देखते ही देखते मारपीट और तोड़फोड़ तक पहुंच गया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें अफरा-तफरी और पुलिस के बीच-बचाव की कोशिश साफ दिखाई दे रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार घंटाघर-चकराता रोड स्थित एक मोबाइल दुकान के बाहर कुछ युवक राहगीरों पर पानी से भरे गुब्बारे फेंक रहे थे। दुकानदारों ने उन्हें ऐसा करने से रोका और कहा कि इससे आने-जाने वालों को परेशानी हो रही है। पहले हल्की बहस हुई और युवक वहां से चले गए। दुकानदारों को लगा कि मामला शांत हो गया है, लेकिन कुछ देर बाद स्थिति बिगड़ गई।

स्थानीय लोगों के अनुसार करीब आधे घंटे बाद वही युवक बड़ी संख्या में वापस लौटे। आरोप है कि उन्होंने दुकान में घुसकर स्टाफ को बाहर खींचा, गाली-गलौज की और हाथापाई शुरू कर दी। इस दौरान काउंटर के शीशे टूट गए और सामान बिखर गया।

मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने किसी तरह दोनों पक्षों को अलग किया। हमले में दुकान के एक युवा स्टाफ को सिर पर गंभीर चोट आई। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसके सिर पर कई टांके लगे। दुकान मालिक का आरोप है कि हमलावरों के पास डंडे और ईंटें भी थीं और जाते समय उन्होंने धमकी दी।

उनका कहना है कि त्योहार के नाम पर इस तरह की घटनाएं छोटे व्यापारियों के लिए चिंता का विषय हैं। घटना के बाद पुलिस ने दोनों पक्षों की तहरीर लेकर मुकदमा दर्ज कर लिया है। सीओ सिटी के अनुसार तीन युवकों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है और सीसीटीवी व वीडियो फुटेज के आधार पर जांच की जा रही है।

पुलिस ने होली के दौरान शांति और कानून-व्यवस्था बनाए रखने की अपील करते हुए कहा है कि कानून हाथ में लेने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

दून वैली मेल

संपादकीय

नफरत की राजनीति का फंडा भी फेल

'न हिन्दू बनेगा, न मुसलमान बनेगा, इंसान की औलाद है इंसान बनेगा' हिन्दुस्तान की कौमी एकता और सामाजिक संस्कृति को परिलक्षित करने वाला गीत हम सबने सुना होगा। इन दिनां भले ही हमारे देश के राजनीतिक परिवेश में हालांकि तना तनी संस्कृति और धर्म का शोर अधिक सुनाई दे रहा है लेकिन यथार्थ की सरजमी पर जिस तरह नफरत तथा हिंसा का माहौल बीते एक दशक में तैयार किया जा चुका है उसमें समाज में डर-भय तथा असुरक्षा का भाव साफ -साफ देखा जा सकता है। सत्ता के रवैये से सामाजिक विभाजन की यह लकीरें जो अपने राजनीतिक स्वार्थो की प्रतिपूर्ति का खींची है उससे भले ही एक समय लोगों ने चुप रहने को अपनी सुरक्षा का उपाय मान लिया है। लेकिन अब देश के जिस तरह इसके विरोध में लोगों ने आवाज उठानी शुरू कर दिया उसे देखकर अभी भले ही सत्ता के साथ टकराव से सामाजिक माहौल खराब होता दिख रहा है। लेकिन यह वास्तव में इस बेकाबू होती समस्या के समाधान की शुरूआत है। देश के तमाम राज्यों से आने वाली ऐसी खबरें इस बात के लिए भी इस देश में आसान काम नहीं है। अन्तर देश के लखनऊ से आई एक तस्वीर जिस में कुछ मुस्लिम नमाज पढ रहे हैं तथा कुछ हिन्दू युवक एक मानव श्रृंखला बनाकर उनकी सुरक्षा के खडे दिखाई दे रहे है। उत्तराखण्ड के कोटद्वार का वह हिन्दू युवक जिसका नाम अब मौहम्मद दीपक के नाम से पूरे देश में चर्चाओं के केन्द्र में है। वीं लोगों को नफरत की वह राजनीति कतई भी बर्दाश्त नहीं है जो बीते एक दशक से की जा रही है। गौरक्षा के नाम पर होने वाली माव लिंचिग नमाज तथा हनुमान चालीसा पढने को लेकर हिंसा और तोडफोड समाज को स्वीकार नहीं है। और न उसे बांटने तो करोगे जैसे डराने वाले नारों कुछ लेना देना है। इ स की आम आवाम शांति पूर्ण और सदभाव पूर्व माहौल चाहते है जिसमें वक काम धंधा कर सके और अपने परिवार की जरूरतों को पूरा कर सके। वर्तमान सरकार ने अपने 12 साल कार्यकाल में आम आदमी को क्या दिया है? और इससे उसका जीवन कितना आसान या मुश्किल हुआ है इस पर अब लोगाां ने गम्भीरता से सोचना शुरू कर दिया है। करो डरो रोजमरा हर साल देने के वायदे पर देश के बेरोजगार अब किसी भ्रम में नहीं है न वह गरीब जिनके खातों में 15-15 लाख डालने की बात कही गयी और अब पांच किलो राशन के लिए लाईनों में खडे हैं। न वह किसान जिनकी आय दो गुना करने का वायदा किया गया था। अब सत्ता के पास न अ कुछ कहने को नहीं बचा है जिस पर जनता भरोसा कर सके। यही कारण है कि नफरत और सामाजिक विभाजनकारी फंडों के अलावा सरकार के पास कुछ नहीं बचा है। जिसे जनता के सामने परोसा जा सके। लेकिन यह फंडा में अब काम आता नहीं दिखा रहा है जो सत्ता की बेचैनी का सबसे बडा सबब बना हुआ है।

भस्म के रंग काशी के संग: उत्साह और आस्था से भस्ममय रहा श्री काशी विश्वनाथ जी का दरबार

देहरादून (कासं)। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी 2 मार्च 2026 को श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में भक्ति, उल्लास और आध्यात्मिक ऊर्जा का अद्भुत संगम देखने को मिला। पावन "भस्म होली" पर्व के अवसर पर बड़ी संख्या में प्रात: कालीन आरती के पश्चात श्रद्धालु मंदिर परिसर में एकत्रित हुए और काशी की इस विशिष्ट परंपरा में सहभागी बनकर स्वयं को भक्ति रंग में रँग लिया। सम्पूर्ण वातावरण "हर-हर महादेव" के जयघोष से गुंजायमान रहा तथा श्रद्धालु भस्ममय होकर शिवभक्ति में लीन दिखाई दिए।

महंत जयेंद्र पुरी जी के मार्गदर्शन में सम्पन्न इस दिव्य आयोजन में महंत अजय पुरी जी के आह्वान पर सैकड़ों नर, नारी, बुजुर्ग , युवाओं व बच्चों सहित विधायक गंगोत्री सुरेश चौहान, पूर्व विधायक विजयपाल सजवाण, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष सुधा गुप्ता, संतोषी राणा (सभासद), व्यापार मंडल अध्यक्ष रमेश चौहान,गंधर्व बजाज, होटल एसोसिएशन अध्यक्ष शैलेन्द्र मटुड़ा, सुकेश नौटियाल,आदित्य चौहान , चंद्र मोहन पंवार,लोक गायक राम सिंह राणा, एवं अन्य गणमान्य नागरिकों ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई।

महंत अजय पुरी जी ने भस्म के महात्म्य का विस्तार से वर्णन करते हुए बताया कि यह भस्म भगवान के चरणों में अर्पित आहुतियों से प्राप्त होती है। वर्ष भर श्रद्धालु अपने कष्टों, पीड़ाओं और मनोकामनाओं को आहुति के रूप में समर्पित करते हैं, उसी पवित्र अर्पण से यह दिव्य भस्म तैयार की जाती है।

उन्होंने कहा कि प्रात:काल से प्रारंभ हुआ यह आयोजन सभी श्रद्धालुओं के जीवन में भगवान का अमृततुल्य आशीर्वाद प्राप्त कराने की भावना से किया जाता है। भगवान शिव का सकारात्मक आभास और दिव्य कृपा सभी के जीवन में सदैव बनी रहे, इसी मंगलकामना के साथ यह पावन उत्सव संपन्न हुआ। कार्यक्रम शांतिपूर्ण, गरिमामय एवं अत्यंत भव्य वातावरण में सम्पन्न हुआ। श्रद्धालुओं की उत्साहपूर्ण सहभागिता ने इस आयोजन को और भी सफल एवं अविस्मरणीय बना दिया।

अंत में महंत जी द्वारा आयोजन की सफलता के लिए श्री काशी विश्वनाथ सेवा मंडल, मातृ शक्ति, गुरुकुलम के समस्त सम्मानित सदस्यों एवं सम्मिलित श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त किया ।

कांग्रेसियों ने कौलागढ़ छात्रावास में बच्चों संग हर्षोल्लास से मनाई होली

हमारे संवाददाता

देहरादून। कैंट विधानसभा क्षेत्र के नगर निगम वार्ड 31 कौलागढ़ स्थित नेताजी सुभाष चंद्र बोस छात्रावास में अपने घरों से दूर रह रहे बच्चों एवं गुरूजनों के साथ होली का पर्व बड़े उत्साह और उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर सभी ने एक-दूसरे को रंग-गुलाल लगाकर शुभकामनाएं दीं तथा मिष्ठान वितरण कर पर्व की खुशियां साझा कीं। पूरा वातावरण रंगों और उमंग से सराबोर रहा।

इस अवसर पर कांग्रेस प्रवक्ता अभिनव थापर ने बच्चों का अनुशासन, ऊर्जा और उत्साह देखकर प्रसन्नता व्यक्त की। साथ ही ▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

10 हजार प्रतिबंधित नशीली गोलियां व कफ सिरप बरामद

❑मेडिकल स्टोर संचालक गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। एसटीएफ ने गदरपुर में मेडिकल स्टोर पर छापा मारकर वहां से दस हजार प्रतिबन्धित गोलियां व कफ सीरप बरामद कर एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

आज यहां इसकी जानकारी देते हुए अपर पुलिस अध ीक्षक एसटीएफ विवेक कुमार ने बताया कि पुलिस उपाधीक्षक एसटीएफ आरबी चमोला के दिशा निर्देश पर इंस्पेक्टर विकास चौधरी के नेतृत्व में एसटीएफ टीम के द्वारा कोतवाली गदरपुर क्षेत्रान्तर्गत एक प्रतिष्ठित मेडिकल स्टोर कुमार मेडिकल हॉल में ड्रग इंस्पेक्टर एवं स्थानीय पुलिस के साथ छापेमारी की गयी तो मेडिकल स्टोर में भारी मात्रा में प्रतिबन्धित नशीले कैप्सूल, गोलियों एवं कफ सीरप की बरामदगी हुई। संयुक्त रूप से की गयी कार्यवाही में मेडिकल स्टोर स्वामी राजकुमार पुत्र बनवारी लाल निवासी वार्ड नम्बर 1 गदरपुर को गिरफ्तार किया गया। मेडिकल स्टोर से 9416 नशीले कैप्सूल, 1300 टैबलेट तथा 51 प्रतिबन्धित कफ सीरप बरामद होने पर आरोपी के विरूद्ध थाना गदरपुर में एनडीपीएस के तहत मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस ने उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

गढ़वाली होली गीत 'खेलन दे होली' मचा रहा धमाल

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। होली का त्योहार हो और रंग-गुलाल के साथ गीत संगीत की बात न हो तो होली का त्योहार अधूरा सा लगता है। होली पर दीपक बेंजवाल का गढ़वाली होली गीत 'खेलन दे होली' रिलीज होने से पहले ही सोशल मीडिया पर धमाल मचा रहा है।

बता दें कि पहाड़ में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है, कमी है तो उचित मंच की। अगर पहाड़ की प्रतिभाओं को मंच मिल जाये तो वह अपनी प्रतिभा को आसमान की उचांईयों तक ले जा सकते है। भला हो सोशल मीडिया का, जिसने पहाड़ की प्रतिभाओं को मंच प्रदान किया है। आज पहाड़ की कई प्रतिभाएं सोशल मीडिया पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सफलता पा रहे है। ऐसे ही एक गीतकार दीपक बेंजवाल को सोशल मीडिया ने रातो-रात बड़ा स्टार बना दिया है।

●पेशे से बैंकर्स दीपक बेंजवाल का यूट्यूब पर नया गीत रिलीज

●'खेलन दे होली' गीत मचा रहा है सोशल मीडिया पर धमाल

●गीत में है पारंपरिक 'खड़ी' और 'बैठकी होली' का मिश्रण

●पहाड़ी बोली व वाद्य यंत्रों से श्रोताओं को अपनी जड़ों से जोड़ा

बता दें कि पेशे से बैंकर्स दीपक बेंजवाल का यूट्यूब पर नया गीत 'खेलन दे होली' रिलीज हुआ है। होली के मौके पर खासकर गढ़वाली होली की खुशबू गीत के माध्यम से लोगों तक पहुंची है। गीत में जहां रंगों, संगीत और सच्ची रोमांटिक पहाड़ी भावना को दिखाया गया है। गीत उत्तराखंड की पारंपरिक होली को आधुनिक और जीवंत चित्रण प्रस्तुत कर रहा है। यह गीत अपनी अनूठी गायकी और स्थानीय वाद्ययंत्रों के मिश्रण से पहाड़ी संस्कृति की सादगी और उल्लास को दर्शाने के साथ -साथ दीपक बेंजवाल की मधुर आवाज और पहाड़ी संस्कृति को जीवंत करने वाले गीत लोगों को खूब भा रहे हैं।

बता दें कि दीपक बेंजवाल का यह होली गीत विशेषकर उत्तराखंड की पारंपरिक 'खड़ी होली' और 'बैठकी होली' की याद दिलाता है। गीत के माध्यम से दीपक ने उत्तराखंड की समृ(

▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

चिकित्सा शिविर का 154 लोगों ने उठाया लाभ

ऋषिकेश(आरएनएस)। जय मान चम्फुवा देवता दिव्य दरबार ट्रस्ट के दंत व नेत्र जांच शिविर आयोजित किया। जिसमें क्षेत्र के 154 लोगों ने पहुंचकर लाभ उठाया। चिकित्सकों ने लोगों को नेत्र और दंत रोग से बचाव को जागरूक भी किया। भट्टोवाला स्थित अखिलेश्वर कॉलोनी में आयोजित शिविर का शुभारंभ चम्फुवा देवता उपासक मंतोष भिग्वान और पुजारी संतोष भिग्वान ने संयुक्त रूप से दीप जलाकर किया। शिविर में नेगी आई केयर ऋषिकेश के वरिष्ठ नेत्र चिकित्सक डॉ. राजे नेगी और डेंटल केयर क्लीनिक के वरिष्ठ दंत चिकित्सक डॉ. मनोज कांडपाल ने अपनी टीम के साथ मिलकर रोगियों का परीक्षण किया तथा उन्हें निशुल्क दवाइयां बांटी। चिकित्सकों ने मरीजों को आंखों और दांतों की देखभाल के बारे में विस्तृत जानकारी दी और बदलते मौसम में स्वस्थ रहने के लिए उचित आहार की सलाह दी। उन्होंने नियमित जांच की आवश्यकता पर भी जोर दिया। नेत्र चिकित्सक डॉ. राजे नेगी ने होली पर प्राकृतिक रंगों से होली खेलने की अपील करते हुवे बताया कि बाजार में उपलब्ध रंगों में अक्सर कांच,ब्रोमाइड ऑक्साइड, क्रोमियम आयोडाइड जैसे केमिकल मिले होते हैं जो हमारी त्वचा एवं आंखों को नुकसान पहुचाते है।

ज्ञानसू नाले के पास धधकता कूड़ा, सुलगते कचरे से जहरीली हुई नगर की हवा

उत्तरकाशी(आरएनएस)। नगर क्षेत्र से सटे ज्ञानसू नाले के पास खुले में कूड़ा जलाए जाने की तस्वीरें सामने आई है। घटना से नगर में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि क्षेत्र में बड़ी मात्रा में ठोस कचरा जमा है जिसे वैज्ञानिक तरीके से निस्तारित करने के बजाय आग लगाकर खत्म किया जा रहा है। खुले में कूड़ा जलाने से जहरीला धुआं निकलता है जिससे वायु प्रदूषण बढ़ता है। इससे आसपास रहने वाले लोगों में सांस संबंधी बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार, प्लास्टिक और अन्य मिश्रित कचरे के जलने से जहरीली हवा से वातावरण दूषित हो रहा है। यूकेडी नेता विष्णुपाल सिंह रावत का कहना है कि नगर क्षेत्र में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमों के तहत कचरे का पृथक्करण, रिसाइक्लिंग और वैज्ञानिक निस्तारण प्रभावी रूप से नहीं हो रहा है। उनका आरोप है कि जमीनी स्तर पर लापरवाही स्पष्ट दिख रही है और पर्याप्त कूड़ा उठान व प्रोसेसिंग व्यवस्था का अभाव है। उन्होंने खुले में कूड़ा जलाने पर कड़ी निगरानी और जुर्माना लगाने की मांग की है। ईओ शालिनी चित्राण ने बताया कि पालिका कर्मचारियों को खुले में कूड़ा नहीं जलाने के स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं। यदि इसके बावजूद कहीं कूड़ा जलाया गया है तो मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

तीन किसानों के ट्यूबवेल से सामान साफ

रुड़की(आरएनएस)। एक ही रात में चोरों ने जहां तीन अलग-अलग किसानों के ट्यूबवेलों को निशाना बनाकर लाखों का कीमती सामान पार कर दिया। वहीं कस्बे के पास से एक युवक की बाइक भी चोरी कर ली गई। पुलिस ने दोनों मामलों में तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। ग्राम हथियाथल और थीथकी कवादपुर के राहुल सिंह ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 25 फरवरी की रात चोरों ने उनके ट्यूबवेल का ताला तोड़कर वहां से कटाउट, मोटर स्टार्टर, ऑपरेटर केबल, वोल्ट मीटर और अन्य कीमती सामान चोरी कर लिया। उसी रात चोरों ने राहुल के पड़ोस में स्थित दो अन्य किसानों, जल सिंह और सतवीर के ट्यूबवेल के भी गेट खोलकर वहां से भी सारा उपकरण समेट लिया। दूसरी घटना के अनुसार ग्राम हज्जरपुर निवासी सुखपाल ने बताया कि वह अपने दोस्त विजय कुमार की बाइक लेकर किसी काम से मंगलौर सरकारी अस्पताल आए थे। रात करीब 11:30 बजे जब वह अस्पताल के पास हाईवे स्थित एक होटल पर खाना लेने गए और बाइक बाहर खड़ी की, तभी चोरों ने उनकी बाइक पर हाथ साफ कर दिया। इंस्पेक्टर अमरजीत सिंह का कहना है कि दोनों मामले में चोरों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। क्षेत्र के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

कराटे बेल्ट परीक्षा में 43 खिलाड़ी सम्मानित

ऋषिकेश(आरएनएस)। एके फाइट क्लब की ओर से आयोजित कराटे बेल्ट परीक्षा में सफल 43 खिलाड़ियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। इस दौरान रिहल शर्मा, माही वर्मा, आरुष ढाली और रमन वर्मा को ब्लैक बेल्ट प्रदान कर विशेष रूप से सम्मानित किया गया। विस्थापित कॉलोनी में एके फाइट क्लब द्वारा कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसका शुभारंभ मौन परिषद के उपाध्यक्ष गिरीश डोभाल, राज्य महिला आयोग की अध्यक्षा कुसुम कंडवाल, विस्थापित सराय के ग्राम प्रधान मीना रतूड़ी, प्रधान जनप्रतिनिधि जगदम्बा प्रसाद रतूड़ी ने संयुक्त रूप से किया। अतिथियों द्वारा क्लब द्वारा आयोजित कराटे बेल्ट परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले खिलाड़ियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। क्लब के मुख्य प्रशिक्षक अजय कुमार ने बताया कि बीते दिनों कराटे बेल्ट परीक्षा करवाई गई थी। जिसमें अभिराज, आराध्या, गौरी, रुद्रा, विकल, मानिक, स्कंद, मनन, भाविका, नहान, संयुक्ता, जैस्मिन, रियान, आयांश, अन्वी ने यैलो बेल्ट, अविका, मनन्या, श्रीनिका, विराट, वंश, हातिम, माहिर, शान्वी, जिज्ञासा, अध्या, अयान ने ब्लू बेल्ट, वान्या ने ऑरेंज बेल्ट, आराध्या, पलाक्ष ने ग्रीन बेल्ट, अंशिका, अक्षत ,वृशांक, रुद्राक्ष ने पर्पल बेल्ट, अनिका, रीवा, रोहन, शाश्वत, देवर्ष, शिवांश ने ब्राउन बेल्ट, रिहल शर्मा, माही वर्मा, आरुष ढाली व रमन वर्मा ने ब्लैक बेल्ट परीक्षा उत्तीर्ण की। मौके पर सिद्धार्थ, दिनेश राणा, प्राची, शौर्य, विजय सिंह आदि उपस्थित रहे।

राजहंस कला मंदिर के होली मिलन में बिखरे रंग

रुड़की(आरएनएस)। नगर की सबसे पुरानी सामाजिक संस्था राजहंस कला मंदिर द्वारा होली मिलन समारोह का हर्षोल्लास के साथ आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर सभी का मन मोह लिया। नन्हे कलाकारों के गीत, नृत्य और कविताओं पर उपस्थित लोगों ने जमकर तालियां बजाई।

समारोह का मुख्य आकर्षण राधा-कृष्ण रूपी कलाकारों की मनमोहक नृत्य प्रस्तुति रही। कलाकारों ने जब भक्ति और श्रृंगार से सराबोर प्रस्तुति दी तो पूरा पंडाल तालियों से गूंज उठा। कार्यक्रम के दौरान सभी ने राधा-कृष्ण स्वरूप कलाकारों को फूलों से सजाया और एक-दूसरे के साथ फूलों की होली खेलकर प्रेम और भाईचारे का संदेश दिया। अंत में होली के पारंपरिक गीतों पर सभी जमकर झूमे और उत्सव का आनंद लिया।

संस्था के अध्यक्ष विपिन सिंघल ने कहा कि होली केवल रंगों का त्योहार नहीं, बल्कि आपसी प्रेम, सद्भाव और सामाजिक एकता का प्रतीक है। राजहंस कला मंदिर वर्षों से सांस्कृतिक परंपराओं को संजोए हुए है और ऐसे आयोजनों के माध्यम से नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति से जोड़ने का कार्य कर रहा है। उन्होंने सभी उपस्थित लोगों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भविष्य में भी इसी उत्साह के साथ कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहेंगे। सचिव अंजेश कुमार अग्रवाल ने कहा संस्था के सचिव अजेश अग्रवाल ने कहा कि होली मिलन समारोह का उद्देश्य समाज के सभी वर्गों को एक मंच पर लाना और सांस्कृतिक मूल्यों को सुदृढ़ करना है। बच्चों और कलाकारों की प्रस्तुतियां इस बात का प्रमाण हैं कि हमारी संस्कृति आज भी जीवंत है। उन्होंने कहा कि संस्था आगे भी सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से नगर में सकारात्मक वातावरण बनाए रखने के लिए प्रयासरत है। कार्यक्रम का संचालन बलवीर कुमार गोयल ने किया। इस अवसर पर संस्था कोषाध्यक्ष पारस गोयल,पूर्व अध्यक्ष गोपाल पुरी,किरण कौशिक, नवनीत सिंघल,आनंद अग्रवाल,योगेश सिंघल, गोविंद, पवन गोयल, अफजल मंगलौरी, शेखर सिंघल, राजीव चंद्रा, मीनू सिंघल, मेघा सिंघल, साधना पुरी, गौरव गोयल, संजीव अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

सीएचसी में डॉक्टरों की कमी से क्षेत्र के लोग परेशान

उत्तरकाशी(आरएनएस)। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में विशेषज्ञ डॉक्टरों की कमी के चलते क्षेत्र के लोगों को उपचार के मसूरी और देहरादून की दौड़ लगानी पड़ती है। अल्ट्रासाउंड की सुविधा नहीं होने से पेट संबंधी बीमारी और गर्भवती महिलाओं को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। सीएचसी थत्यूड़ में समुचित स्वास्थ्य सुविधा न होने के कारण क्षेत्र के लोग उपचार के लिए 35 किलोमीटर दूर मसूरी या 70 किलोमीटर देहरादून का रुख करने को मजबूर हैं। जिससे लोगों को भारी परेशानी झेलनी पड़ती है। व्यापार मंडल अध्यक्ष अकबीर पंवार ने कहा कि स्वास्थ्य केंद्र पर अल्ट्रासाउंड की सुविधा नहीं होने से गर्भवती महिलाएं और पेट संबंधित बीमारियों की शिकायत लेकर आने वाले मरीजों को जांच के लिए मसूरी और देहरादून भेजा जाता है। सीएचसी में अल्ट्रासाउंड की सुविधा होनी चाहिए। प्रधान सरस्वती रावत ने कहा कि सीएचसी में डॉक्टरों के 10 पद स्वीकृत हैं, लेकिन यहां मात्र चार डॉक्टर ही कार्यरत है। बाल रोग, हडडी, सर्जन और महिला विशेषज्ञ डॉक्टरों की कमी के चलते लोगों को पूरा उपचार नहीं मिल पाता है जिससे लोग की परेशानी बढ़ जाती है। क्षेत्र की बह्मी देवी असवाल, ब्लॉक प्रमुख महिपाल सिंह रावत का कहना है कि सीएचसी थत्यूड़ पूर्व के वर्षों में पीपीपी मोड़ पर संचालित होता था तब अल्ट्रासाउंड की सुविधा थी।

छात्रों ने शैक्षिक भ्रमण में प्रकृति के पहलु समझे

ऋषिकेश(आरएनएस)। सरस्वती शिशु विद्या मंदिर आदर्श नगर के 100 से अधिक छात्र-छात्राओं ने देहरादून मालसी डियर पार्क का शैक्षिक भ्रमण किया। जिसमें उन्होंने प्रकृति के विभिन्न पहलुओं के बारे में जानकारी हासिल की। आदर्श नगर स्थित सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में शैक्षिक भ्रमण का आयोजन किया गया। विद्यालय व्यवस्थापक डॉ. दीपक तायल, प्रधानाचार्य गुरु प्रसाद उनियाल, विद्यालय उपाध्यक्ष गोपाल कृष्ण नारंग, कोषाध्यक्ष नवल किशोर कपूर, आरएसएस के बस्ती प्रमुख शरद तायल, राजश्री चिल्ड्रन अकेडमी के प्रबंधक राजेंद्र पाण्डेय ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर तीन बसों को रवाना किया। प्रधानाचार्य गुरु प्रसाद उनियाल ने कहा कि छात्र-छात्राओं को शैक्षिक भ्रमण पर ले जाने का उद्देश्य उन्हें शिक्षा के साथ प्रकृति का बोध कराया जाना भी है। इस शैक्षिक भ्रमण में कक्षा पांच और छह के 100 से अधिक बच्चे शामिल हैं। विद्यालय व्यवस्थापक डॉ. दीपक तायल ने कहा कि इस प्रकार के भ्रमण छात्र-छात्राओं को किताबी ज्ञान से अतिरिक्त जमीनी स्तर पर भौगोलिक स्थिति से भी अवगत करवाते हैं। इस दौरान छात्र-छात्राओं ने देहरादून मालसी डियर पार्क में पहुंचकर प्रकृति की बारीकियों और वहां मौजूद जीव जन्तुओं के बारे में जाना और समझा। मौके पर आचार्य संतोष डबराल, भाग सिंह, दिगंबर गुसाईं, मनमोहन शाह, निशा, अपर्णा रावत, संजू शर्मा, स्वाति शर्मा, सुरभि, मीनाक्षी, मुकेश आदि उपस्थित रहे।

हिन्दू नव संवत्सर पर 19 मार्च को निकलेगी भव्य शोभायात्रा

अल्मोड़ा(आरएनएस)। हिन्दू नव संवत्सर के आयोजन को लेकर हिंदू सेवा समिति की बैठक आयोजित की गई, जिसमें आगामी शोभायात्रा को भव्य और आकर्षक बनाने पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक की अध्यक्षता समिति के संरक्षक दीपक साह ने की, जबकि संचालन सचिव कमल साह ने किया। बैठक में उपस्थित पदाधिकारियों ने नव संवत्सर के अवसर पर आयोजित होने वाली शोभायात्रा को विशेष बनाने के लिए अपने-अपने सुझाव दिए और कार्यक्रम की रूपरेखा तय की। निर्णय लिया गया कि नव संवत्सर के शुभारंभ पर 19 मार्च को नगर में भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी, जिसमें विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आकर्षण का केंद्र रहेंगे। समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि शोभायात्रा में महिला सांस्कृतिक दल, छोलिया नृत्य, फूलों की होली और बच्चों के सांस्कृतिक दल विशेष रूप से शामिल होंगे, जिससे आयोजन को पारंपरिक और सांस्कृतिक स्वरूप दिया जाएगा। बैठक में कमल साह, नीरज बोरा, दीपक साह, भैरव गोस्वामी, सुशील साह, आशु गोस्वामी, मनोज वर्मा, कांची, व्योम धनिक, गगन जोशी, ललित खोलिया, अश्विन नेगी, प्रतेश पांडे, विनोद तिवारी, दीपक वर्मा, अवि वर्मा, विपुल कार्की, दिनेश पांडे, हर्ष तिवारी और हिमांशु जोशी सहित कई सदस्य मौजूद रहे।

प्रभाग दिवस में मानव-वन्यजीव संघर्ष और वनाग्नि रोकथाम पर दिया गया जोर

अल्मोड़ा(आरएनएस)। सिविल सोयम वन प्रभाग अल्मोड़ा के अंतर्गत शनिवार को प्रभाग दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें मानव-वन्यजीव संघर्ष की रोकथाम, जन शिकायतों के निस्तारण, जन-जागरूकता और आगामी वनाग्नि सत्र को लेकर सतर्कता पर विशेष फोकस रहा। कार्यक्रम विभिन्न रेंजों में आयोजित किए गए, जहां स्थानीय लोगों के साथ संवाद स्थापित कर उन्हें जरूरी जानकारी और दिशा-निर्देश दिए गए।

बिनसर रेंज में आयोजित कार्यक्रम में 28 प्रतिभागियों ने भाग लिया। यहां मानव-वन्यजीव संघर्ष से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करते हुए ग्रामीणों को वन क्षेत्रों में आग न लगाने और किसी भी घटना की सूचना तत्काल विभाग को देने के लिए जागरूक किया गया।

कोसी रेंज में 24 लोगों की मौजूदगी में ग्राम स्तर पर निगरानी तंत्र को सक्रिय रखने और सामुदायिक सहयोग से आग की घटनाओं की रोकथाम पर बल दिया गया। जागेश्वर रेंज में 32 प्रतिभागियों की उपस्थिति रही। कनारीछीना रेंज में 19 लोगों की भागीदारी के बीच चार शिकायतों पर सुनवाई हुई। चौबटिया रेंज में 14 प्रतिभागियों के बीच आयोजित कार्यक्रम में बागानों और वन क्षेत्रों के आसपास ज्वलनशील सामग्री के सुरक्षित निस्तारण पर विशेष ध्यान देने को कहा गया। लमगड़ा रेंज में 16 लोगों को वनाग्नि से होने वाली पर्यावरणीय और आर्थिक क्षति की जानकारी दी गई। वहीं गणनाथ रेंज में 12 प्रतिभागियों को पर्वतीय क्षेत्रों में आग के तेजी से फैलने की आशंका के प्रति जागरूक करते हुए समय पर सूचना देने और सहयोग के लिए प्रेरित किया गया। प्रभागीय वनाधिकारी प्रदीप कुमार धौलाखण्डी ने कहा कि प्रभाग दिवस का उद्देश्य विभाग और आमजन के बीच सीधा संवाद स्थापित करना है, जिससे समस्याओं का त्वरित समाधान संभव हो सके। उन्होंने बताया कि वनाग्नि सत्र को देखते हुए सभी रेंजों में सतर्कता बढ़ाई जा रही है और जनसहभागिता से ही प्रभावी नियंत्रण संभव होगा।

ऐसे दूर भागेगी जंक फूड की क्रेविंग, वजन भी होगा कम

दिनभर में न जाने हमारा क्या-क्या खाने का मन करता है। कभी मीठा खाने का मन करता है तो कभी फ्रेंच फ्राइज। युवा तो रोज सॉफ्ट ड्रिंक भी पीते हैं और इस बात को पूरी तरह से नज़रअंदाज़ कर देते हैं कि इसका उनकी सेहत पर क्या असर पड़ता है।

क्रेविंग (कुछ खाने का मन करना) को कंट्रोल करना सबसे मुश्किल काम है और अगर आप वजन घटाने की सोच रहे हैं तो आपके लिए तो ये काम बहुत ही ज्यादा कठिन होगा। ऐसे में हम आपके के लिए एक बहुत ही आसान-सा समाधान लेकर आए हैं जो आपकी जंक फूड खाने की क्रेविंग को कंट्रोल करने में मदद करेगी। जी हां, अगर आप अपने जंक फूड खाने की क्रेविंग को किसी हेल्दी और पौष्टिक चीज से शांत कर लें तो इससे ज्यादा बढ़िया तो और कुछ हो ही नहीं सकता है। इसके लिए सबसे पहले तो आपको अपने दिमाग के रिसेप्टिव सेंसर्स को जंक फूड से नफरत करना सिखाना होगा। अब हम आपको उस चीज का नाम बताते हैं जो फूड क्रेविंग को कंट्रोल करने में मदद करती है और भूख को भी शांत करती है।

किशमिश

मेंटल हैल्थ के विशेषज्ञ डॉ. लेस्ली कॉर्न के अनुसार, सिर्फ एक किशमिश रोज खाने से भी आप अपनी क्रेविंग को शांत कर सकते हैं। ये सबसे आसान और असरकारी तरीका है और इससे आपके वजन घटाने के रूटीन पर भी कोई असर नहीं पड़ेगा। अगर आप किशमिश से अपनी जंक फूड की क्रेविंग को शांत करना चाहते हैं तो किशमिश को धीरे-धीरे खाएं। इस एक्सरसाइज में पांच मिनट का समय लगेगा और आपको ज्यादा मेहनत भी नहीं करनी पड़ेगी। धीरे-धीरे किशमिश खाने से शरीर माइंडफुल ईटिंग पर ध्यान देता है और आपको अपने शरीर की जरूरत समझ आती है, वो भी बिना कुछ अनहेल्दी खाए। ये आपको अपने डायट्री जरूरतों के साथ भी तालमेल बैठाने में मदद करता है। किशमिश और सूखे अंगूरों में ऐसे केमिकल होते हैं जो क्रेविंग को कम करने की क्षमता रखते हैं। किशमिश खाने पर शरीर में केमिकल रिएक्शन शुरू होता है जो कि सांस को धीमा कर देता है। वहीं इसमें शक्तिशाली न्यूरोट्रांस्मीटर भी होते हैं जो भूख को संतुलित रख सकते हैं और पाचन को धीमा कर स्ट्रेस पर असर करते हैं। ये कई चीजों की क्रेविंग के लिए जिम्मेदार हो सकते हैं।

क्या करें

अगर आप अपनी क्रेविंग को शांत करना चाहते हैं तो किशमिश धीरे-धीरे और बहुत ध्यान से खाएं। इस दौरान अपने शरीर द्वारा दी जा रही प्रतिक्रियाओं पर ध्यान दें। इस तरह आप अपने शरीर की जरूरतों को जान पाएंगे और किशमिश को सिर्फ चबाने की बजाय उसका पूरा आनंद ले पाएंगे। वेट लॉस के स्नैक के तौर पर भी आप किशमिश का सेवन कर सकते हैं। इनमें प्राकृतिक रूप से शुगर और विटामिन होते हैं। इससे ब्लड शुगर लेवल को भी कंट्रोल कर सकते हैं जिससे आगे चलकर वजन घटाने में मदद मिलती है। किशमिश को रातभर पानी में भिगोकर खाने से सबसे ज्यादा लाभ मिलते हैं।

स्किन को हेल्दी और गोरा बनाने के लिए लगाएं खीरे का फेस मास्क

खीरे को सेहत के लिए बहुत गुणकारी माना जाता है। इसमें सूजन-रोधी गुण होने के साथ-साथ कई एंटीऑक्सीडेंट होते हैं। खीरा विटामिन सी और फोलिक एसिड जैसे पोषक तत्वों से भरपूर होता है। खीरे के यही गुण इसे बेहतरीन फेस मास्क बनाने के गुण प्रदान करते हैं।

खीरा पोषक तत्वों, विटामिन और खनिज पदार्थों से भरपूर होता है। खीरा त्वचा को कई तरह से लाभ पहुंचा सकता है। ये सूजन और पफीनेस, मुंहासों, उम्र से पहले एजिंग के निशानों और जलन को कम करने की शक्ति रखता है। खीरे में 96 फीसदी पानी होता है जो कि स्किन को मॉइस्चराइज करने के लिए पर्याप्त है।

अगर आप अपनी स्किन को बहुत कम समय में रेजुनवेट करना चाहते हैं तो इस आसान फेस मास्क को जरूर लगाएं। आधा खीरा लें और उसे छिलकर ब्लेंड कर लें। अब इसे छानकर इसमें से रस निकाल लें। चेहरे को धोने के बाद खीरे का रस चेहरे पर लगाएं और 15 मिनट के लिए छोड़ दें। इसके बाद ठंडे या गुनगुने पानी से चेहरे को धोकर सुखा लें।

खीरे और एलोवेरा का फेस मास्क

रूखी त्वचा के लिए ये फेस मास्क बहुत फायदेमंद रहेगा। खीरे के साथ-साथ एलोवेरा भी स्किन को हाइड्रेट करता है। आधा खीरा लें और उसे छिलकर ब्लेंड कर लें। अब इसे छानकर इसमें से रस निकाल लें।(आरएनएस)

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *साध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

राजनीतिक खोखलापन और पहाड़ी विकास पर विचार

देवेंद्र कुमार बुडाकोटी

भारतीय मध्यम वर्ग जब निजी दायरों में राजनीति पर चर्चा करता है, तो वह अक्सर व्यवस्था और राजनीतिक नेतृत्व में व्याप्त भ्रष्टाचार की बात करता है। भ्रष्टाचार को सामान्यत: खराब शासन और सरकारी तंत्र में काम करवाने के लिए धन के लेन-देन के रूप में समझा जाता है। किंतु अधिकांश लोग नीतियों, योजना-निर्माण और कार्यक्रमों से जुड़े गहरे प्रश्नों पर विचार नहीं करते। इस प्रकार की आलोचनात्मक समझ के अभाव से समाज में राजनीतिक खोखलापन उत्पन्न होता है।

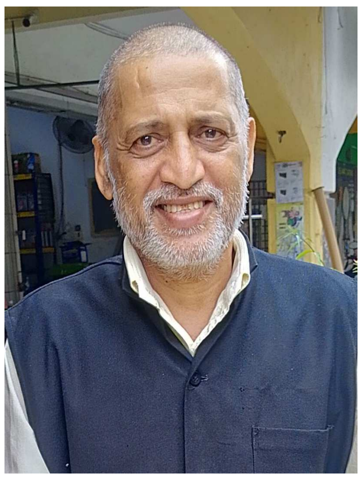

●देवेन्द्र कुमार बुडाकोटी

James Madison, संयुक्त राज्य अमेरिका के चौथे राष्ट्रपति, ने प्रसिद्ध रूप से कहा था: "यदि मनुष्य देवदूत होते, तो किसी सरकार की आवश्यकता न होती।" यह कथन शासन-व्यवस्था की अनिवार्यता को रेखांकित करता है, साथ ही उसकी शुचिता और उत्तरदायित्व सुनिश्चित करने की आवश्यकता को भी दर्शाता है।

वरिष्ठ स्तंभकार M. Shanmugam लिखते हैं, "राजनीति को भारी धनराशि की आवश्यकता होती है। बहुत कम राजनेता बिना भ्रष्टाचार का सहारा लिए और सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग किए राजनीति में टिक पाते हैं।" यह टिप्पणी समकालीन राजनीतिक व्यवस्था के संरचनात्मक दबावों को उजागर करती है।

सत्ता में बैठे अनेक राजनेताओं तथा उनसे जुड़े लोगों ने अपनी ज्ञात आय से कहीं अधिक संपत्ति अर्जित की है। फिर भी वे बिना किसी पश्चाताप, कानून के भय या राजनीतिक परिणामों की चिंता के सक्रिय बने रहते हैंख्रयहाँ तक कि लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं के भीतर भी।

कुछ पर केवल अवैध लेन-देन के आरोप हैं, जबकि कुछ न्यायालयों में मुकदमों का सामना कर रहे हैं और राजनीतिक अस्तित्व बनाए रखने के लिए दल-बदल करते रहते हैं। इसके बावजूद उन्हें मतदाताओं के एक वर्ग का समर्थन प्राप्त रहता है। कई लोगों ने चुनाव जीतने की कला-प्रबंधन और हेरफेर-में महारत हासिल कर ली है। राजनीतिक समझ, नेतृत्व क्षमता या सामाजिक दृष्टि के बजाय "हाई कमान" के निकटता के आधार पर चुनाव टिकट दिए जाते हैं। चुनाव जीतना ही अंतिम लक्ष्य बन जाता है, जो राजनीतिक विवेक और सामाजिक सरोकारों से कट जाता है। राजनैतिक दूरदर्शिता अनेक आकांक्षियों की बौद्धिक परिधि से बाहर प्रतीत होती है।

अनेक नेता पार्टी की विचारधारा और नेतृत्व की शपथ तो लेते हैं, परंतु विचारधारात्मक आधार की वास्तविक समझ और राष्ट्रीय विकास की स्पष्ट दृष्टि का अभाव रहता है। ऐसी परिस्थितियों में सिविल सेवक नीतियों, योजनाओं और कार्यक्रमों के क्रियान्वयन को दिशा देते हैं और निर्वाचित प्रतिनिधियों को सूक्ष्म रूप से नौकरशाही सोच की ओर मोड़ देते हैं।

जिला स्तर का उदाहरण लें। मुख्य विकास अधिकारी, अपने संगठित प्रशासनिक तंत्र के साथ, निर्णय-प्रक्रिया पर प्रभुत्व रखते हैं। खंड स्तर पर खंड विकास अधिकारी और अधीनस्थ अधिकारी भी शासन को प्रभावित करते हैं। निर्वाचित प्रतिनिधि -जैसे जिला पंचायत अध्यक्ष, ब्लॉक प्रमुख और ग्राम प्रधान-अक्सर पहले से तैयार "विकास स्क्रिप्ट" का पालन करते हुए आधिकारिक दिशा-निर्देशों का अनुसरण करते हैं। जब विकास संरचना यथास्थिति बनाए रखने के लिए दृढ़तापूर्वक खड़ी हो, तो क्या वास्तविक "नीचे से ऊपर" दृष्टिकोण संभव है?

निस्संदेह, कुछ पंचायती राज संस्थाओं के सदस्य संपत्ति अर्जित कर सकते हैं। परंतु प्रश्न यह है कि विकास निधियों के प्रबंधन के प्रारूप, तंत्र और कार्य-संस्कृति उन्हें कौन प्रदान करता है? निर्वाचित प्रतिनिधि अगली बार बदल सकते हैं, परंतु स्थायी नौकरशाही बनी रहती है और नए प्रतिनिधियों को उसी व्यवस्था में दीक्षित कर देती है।

ऐसे में जिला विकास तंत्र को विघटित या सुधारने की दृष्टि और क्षमता किसके पास है? जब राजनीतिक दल लगभग सभी को सरकारी नौकरी का वादा करते हैं, तो कितने लोग विशाल सरकारी विकास तंत्र को कम करने या पुनर्गठित करने की कल्पना कर सकते हैं? क्या हम निर्वाचित पीआरआई प्रतिनिधियों को वास्तविक जमीनी शासन सौंपने की कल्पना कर सकते हैं? यदि राजनीति सरकारी रोजगार के वादों और बेरोजगारों को संतुष्ट करने तक सीमित हो जाए, तो क्या यह भारतीय समाज में राजनीतिक खोखलेपन का संकेत नहीं है?

उत्तराखण्ड में, जब तक गैरसैण को स्थायी राजधानी घोषित नहीं किया जाता और व्यापक भू-संकेन्द्रण (चकबंदी) लागू नहीं होती, तब तक "रिवर्स माइग्रेशन" केवल एक रोमानी विचार ही बना रहेगा, न कि नीतिगत वास्तविकता। सामाजिक परिवर्तन में "रिवर्स गियर" नहीं होता। संरचनात्मक परिवर्तन के लिए स्पष्ट दृष्टि, राजनीतिक साहस और संस्थागत सुधार आवश्यक हैं। क्या हमारे सार्वजनिक बुद्धिजीवियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं के पास शासन और सार्वजनिक नीति के प्रश्नों पर अपनी राय व्यक्त करने तथा एक रूपरेखा प्रस्तुत करने का कोई प्रभावी मंच है?

(लेखक एक समाजशास्त्री हैं और जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी के पूर्व छात्र हैं। उनके शोध कार्य का उल्लेख नोबेल पुरस्कार विजेता अमर्त्य सेन की पुस्तकों में किया गया है।)

शब्द सामर्थ्य -060

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. चौड़ी और सपाट जमीन, रणभूमि 3. स्वरग्राम, संगीत के सात स्वरों का समूह 6. धूल का कण, किसी वस्तु का सूक्ष्मकण, धूल 7. हिम्मत, सामर्थ्य 8. अभ्यर्थना, रिसेप्शन, यथा अवसर पर पूछे जाने वाला मंगल कुशल 9. आपस का करार, निबटारा 10. वरदान, दुल्हा 12. भोग, ऐश्वर्य 13. कीमत, मूल्य 14. एक वाद्ययंत्र जिसे सपेरे बजाते हैं 16. समता, बराबरी 18. अश्लील, बेहुदा, अभद्र, घटिया 19. युक्ति, उपाय, ढंग 20. रिक्त, अपूर्ण।

ऊपर से नीचे

1. दोस्ती, मित्रता 2. अच्छी शिक्षा, नेक सलाह 4. बचाव, हिफाजत 5. मीठापन, मधुर होने का भाव 7. समुद्र 8. आत्मनिर्भर, जो दूसरे पर आश्रित न हो 9. रसवाला, रसदार 11. मां का बच्चों के प्रति प्रेम 13. खैरात, देने की क्रिया 15. दृष्टि, निगाह 16. वरिष्ठ, बुजुर्ग, चतुर 17. पराजय, हार।

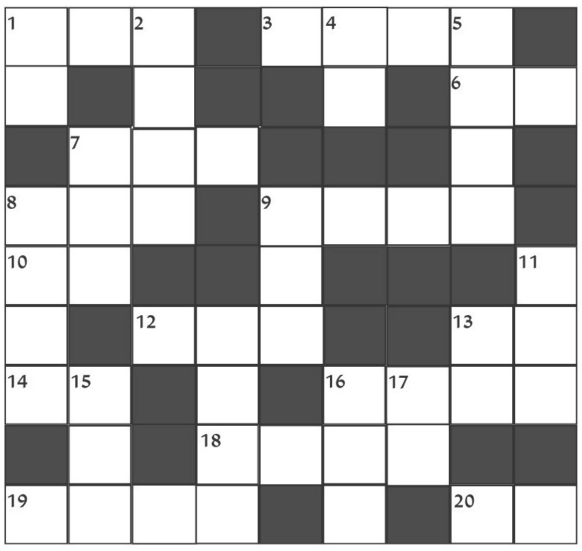

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 59 का हल

ला	लू	प्र	सा	द	या	द	व	
प		ति			र	क्ष	क	
र	ह	मा	न					आ
वा			मि	थु	न		दा	स
ह	वा	ला	त		सी	ता		पा
	न				ब	क	वा	स
औ	र	त		म		त		
ला		बे	च	ना		व	च	न
द	ह	ला		ना	ग	र		दी

फिल्म एक दिन का नया पोस्टर रिलीज, जुनैद खान और साई पल्लवी का दिखा प्योर रोमांटिक अंदाज

एक दिन एक ऐसी रोमांटिक और जादुई प्रेम कहानी का वादा करती है जिसमें साई पल्लवी और जुनैद खान की शानदार केमिस्ट्री देखने को मिलेगी। इसके साथ ही, यह फिल्म आमिर खान और मंसूर खान जैसे दिग्गज फिल्ममेकर्स के रीयूनियन का गवाह बनेगी, जो जो जीता वही सिकंदर और जाने तू। या जाने ना जैसी कल्ट क्लासिक फिल्मों के लिए जाने जाते हैं।

आमिर खान और मंसूर खान की वो सुपरहिट जोड़ी, जिसने हमें कयामत से कयामत तक और जाने तू.. या जाने ना जैसी क्लासिक फिल्में दी हैं, एक बार फिर एक प्यारी सी लव स्टोरी लेकर वापस आ गई है। जुनैद खान और साई पल्लवी स्टारर एक दिन एक ऐसी कोमल और जादुई रोमांस की कहानी है, जो जज्बातों और रिश्तों की सादगी का जश्न मनाती है। टीजर रिलीज होने के बाद दर्शकों को इस जादुई प्रेम कहानी की एक झलक मिली है। इसमें जुनैद खान का वो प्यारा सा अनाड़ीपन और शर्मीला अंदाज, साई पल्लवी की सादगी और चमक के साथ एकदम फिट बैठ रहा है। फैंस प्यार के इस नए और ताज़ा अंदाज को पर्दे पर देखने के लिए अब और भी ज्यादा एक्साइटेड हो गए हैं।

आमिर खान प्रोडक्शंस ने एक दिन का एक नया पोस्टर शेयर किया है। इस पोस्टर में एक बहुत ही प्यारा और सुकून भरा पल कैद किया गया है। एक शांत से सुपरमार्केट में जुनैद और साई एक-दूसरे के सामने खड़े हैं और साई के हाथ में एक मफिन है जिस पर एक मोमबत्ती जल रही है। यह छोटा सा लेकिन दिल छू लेने वाला पल उस कोमल और प्यारी प्रेम कहानी की झलक देता है जो इस फिल्म की जान है। पोस्टर शेयर करते हुए मेकर्स ने लिखा, बस एक दिन ही काफी है, टीजर अब आउट, देखिए एक दिन सिर्फ सिनेमाघरों में, 1 मई 2026 को। एक दिन के जरिए आमिर खान और डायरेक्टर-प्रोड्यूसर मंसूर खान की आइकॉनिक जोड़ी लंबे समय बाद साथ वापसी कर रही है। इस जोड़ी ने पहले भी कयामत से कयामत तक, जो जीता वही सिकंदर, अकेले हम अकेले तुम और जाने तू।।। या जाने ना जैसी यादगार फिल्में दी हैं। अब एक बार फिर वे एक रोमांटिक लव स्टोरी के लिए साथ आए हैं, जो इस फिल्म को देखने की एक बड़ी वजह बन गई है। इस रीयूनियन ने फिल्म की और झलकियां देखने की उत्सुकता को और भी बढ़ा दिया है। आमिर खान प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी इस फिल्म में साई पल्लवी और जुनैद खान लीड रोल में हैं। सुनील पांडे के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म को आमिर खान, मंसूर खान और अपर्णा पुरोहित ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म 1 मई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

रामचरण की फिल्म पेड्डी ने भी की रिलीज से पहले ताबड़तोड़ कमाई

धुरंधर 2 और टॉक्सिक दोनों ही फिल्मों का रिलीज से पहले से ही क्रेज काफी ज्यादा है। दोनों ही फिल्मों की रिलीज डेट 19 मार्च है और इन फिल्मों ने अभी से ही ताबड़तोड़ कमाई करना शुरू कर दिया है। इन्हीं फिल्मों के नक्शे कदम पर रामचरण की आगामी फिल्म पेड्डी भी चलने लगी है। रामचरण की इस फिल्म ने भी रिलीज से पहले ही अपनी कमाई शुरू कर दी है। वो कैसे? आइये आपको आगे बताते हैं।

सैकनिक के मुताबिक लेटेस्ट ट्रेड रिपोर्ट्स के अनुसार फिल्म के ओवरसीज थिएट्रिकल राइट्स 40 से 42 करोड़ रुपये में बिक चुके हैं, ये तेलुगू फिल्म की सबसे बड़ी डील बताई जा रही है। ये डील दर्शाती है कि डिस्ट्रिब्यूटर्स का फिल्म के बॉक्स ऑफिस पोटेंशियल पर कितना भरोसा है। खासकर अमेरिका, ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया जैसे मुख्य विदेशी बाजारों में, जहां राम चरण के अच्छे खासे फैंस हैं।

ट्रैक टॉलीवुड के अनुसार, अकेले अमेरिका में ही फिल्म का ब्रेक-ईवन लगभग 6.5 मिलियन डॉलर होने का अंदाजा लगाया जा रहा है, जबकि विदेशों में कुल ब्रेक-ईवन 9 मिलियन डॉलर तक पहुंच सकता है। फिल्म को लेकर क्रेज ही इतना ज्यादा है कि ये डील तो तय ही थी। रामचरण के स्टारपावर को देखते हुए ये फिल्म करोड़ों की कमाई बॉक्स ऑफिस पर भी कर सकती है। वैसे तो ये फिल्म धुरंधर 2 और टॉक्सिक के बाद रिलीज होगी, लेकिन इनके रिकॉर्ड्स भी तोड़ सकती है।

बता दें कि तेलुगू फिल्म रामचरण की इस फिल्म में बॉलीवुड एक्ट्रेस जान्हवी कपूर मुख्य किरदार में हैं। इसके अलावा शिवा राजकुमार, जगपति बाबू और दिव्येंदु भी नजर आने वाले हैं। ये फिल्म 30 अप्रैल को कई भाषाओं में देशभर में रिलीज होगी। फिल्म की रिलीज का दर्शकों को बड़ी ही बेसब्री से इंतजार है।

लोगों से अपुवल लेने की जरूरत नहीं, बस जिंदगी जियो : मुक्ति मोहन

शॉर्ट फिल्म ब्लड ब्रदर्स से अभिनय की शुरुआत करने वाली अभिनेत्री मुक्ति मोहन सोशल मीडिया पर अपनी मौजूदगी से फैंस के दिलों में खास पहचान रखती हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक मजेदार वीडियो शेयर किया। इस वीडियो में वे एक वॉइस ओवर के साथ लिपसिंक करती दिख रही हैं, एक ही तो जिंदगी मिली है।

इसमें लोगों को अच्छा बनने का कोई अप्रूवल नहीं दिखा सकती हूं। अच्छा इंसान बनने में कुछ नहीं रखा है। वीडियो में उनका अंदाज बिल्कुल सच्चा और बेबाक है। वे कैमरे की तरफ देखकर सीधे दिल की बात कह रही हैं। बता दें कि यह वॉइस ओवर सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। मुक्ति और कई अन्य कलाकार और सोशल मीडिया यूजर्स इस पर वीडियो बनाकर ट्रेंड का हिस्सा बन रहे हैं।

मुक्ति अक्सर अपनी बहनों के साथ डांस के वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर करती रहती हैं। फैंस को अभिनेत्री का ये वीडियो काफी पसंद आ रहा है। वे कमेंट सेक्शन पर तरह-तरह की प्रतिक्रिया दे रहे हैं।

मुक्ति मोहन की बात करें तो वे डांसर होने के साथ-साथ वेब सीरीज व टीवी शोज में अभिनय भी करती हैं। उन्होंने साहिब बीवी और गैंगस्टर, हेट स्टोरी, और कांची- द अनब्रेकेबल जैसे कई प्रोजेक्ट्स पर काम किया है।

उन्होंने करियर की शुरुआत में 2007 में शॉर्ट फिल्म ब्लड ब्रदर्स से अभिनय की शुरुआत की और जरा नचके दिखा (2010) जीतकर रियलिटी शो में पहचान बनाई और झलक दिखला जा सीजन 6 (2013) में भी भाग लिया। मुक्ति मोहन बड़े पर्दे पर भी अपनी काबिलियत का परचम फहरा चुकी हैं।

उन्होंने अब तक साहेब बीवी और गैंगस्टर, मुरान, दारुवु, हेट स्टोरी, टोपीवाला, कांची- द अनब्रेकेबल, बॉर्न फ्री, दिल है हिंदुस्तानी- द मूवी, और थार आदि फिल्मों में अदाकारी की है। मुक्ति मोहन कोरियोग्राफर शक्ति मोहन और गायिका नीति मोहन की बहन हैं।

एनिमल 2- हीरो के साथ विलेन बनेंगे रणबीर कपूर

फिल्म मेकर संदीप रेड्डी वांगा ने अपनी 2023 की ब्लॉकबस्टर फिल्म एनिमल के सीक्वल एनिमल पार्क पर बड़ा अपडेट दिया है। एनिमल के जापान प्रीमियर के अवसर पर आयोजित एक वर्चुअल प्रेस मीट में संदीप रेड्डी वांगा ने फिल्म की शूटिंग, टाइटल और रणबीर कपूर के किरदार का खुलासा किया है।

जापान के वर्चुअल प्रेस मीट में संदीप रेड्डी वांगा ने बताया कि उन्होंने एनिमल के सीक्वल का नाम एनिमल पार्क क्यों रखा। साथ ही उन्होंने यह भी खुलासा किया कि वह एनिमल पार्क की शूटिंग अगले साल शुरू करने वाले हैं।

संदीप रेड्डी वांगा ने फिल्म के टाइटल के चुनाव के बारे में बात करते हुए कहा, मेरी अभी की फिल्म खत्म होने के बाद एनिमल पार्क जल्द ही शुरू होगी। फिल्म में और भी एनिमल्स होंगे क्योंकि अजीज भी एक एनिमल है। तो, इसे ध्यान में रखते हुए अब दोनों भाइयों के बीच एक जैसा लड़ाई है, इसलिए मुझे लगा कि एनिमल पार्क सही टाइटल होगा।

इस दौरान वांगा ने फिल्म की शूटिंग के बारे में भी खुलासा किया है। फिल्म मेकर ने कहा, हम 2027 के बीच में शूटिंग शुरू करेंगे। इस इवेंट में रणबीर कपूर जूम कॉल के जरिए जुड़े हुए थे। उन्होंने न सिर्फ अपने किरदार रणविजय सिंह को दोबारा निभाने के बारे में बात किया बल्कि विलेन अजीज का किरदार निभाने को लेकर भी अपनी एक्साइटमेंट जाहिर की।

बर्फी एक्टर ने खुलासा किया कि वह एनिमल पार्क में डबल रोल निभाने वाले हैं। उन्होंने कहा, मैं संदीप के साथ सेट पर वापस जाने के लिए काफी एक्साइटेड हूं। साथ अपने इस किरदार (रणविजय सिंह) और दूसरे नए किरदार को निभाने का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं। क्योंकि यह एक कंटिन्यू चलने वाली स्टोरी है, इसलिए पार्ट वन की शूटिंग के दौरान ही उनके दिमाग में पार्ट टू की कहानी बहुत साफ थी। इसलिए, एक एक्टर के तौर पर यह मेरे लिए बहुत प्रेरणादायक है। उन्होंने आगे कहा, मैं और संदीप पूरे हफ्ते या महीने एक-दूसरे से बात करते रहते हैं और अलग-अलग आइडिया पर चर्चा करते रहते हैं। मैं सच में रणविजय और अजीज का किरदार निभाने के लिए सेट पर वापस जाने का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं।

होली पर एकल बुजुर्गो के घर पहुंची पुलिस, जाने हालचाल

अल्मोड़ा(आरएनएस)। होली के अवसर पर अल्मोड़ा पुलिस ने एकल और जरूरतमंद बुजुर्गों के बीच पहुंचकर उनके साथ त्योहार की खुशियां साझा कीं। ऑपरेशन भल छौ के तहत चलाए जा रहे इस अभियान में पुलिस ने बुजुर्गों का हालचाल जाना और उन्हें हरसंभव सहायता का भरोसा दिलाया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक चंद्रशेखर घोडके के निर्देश पर महिला कोतवाली प्रभारी जानकी भण्डारी के नेतृत्व में महिला पुलिस टीम ने विभिन्न क्षेत्रों में पहुंचकर बुजुर्गों से मुलाकात की। इस दौरान उन्हें होली की शुभकामनाएं दी गईं और उनकी समस्याओं के बारे में जानकारी ली गई। पुलिस टीम ने बुजुर्गों को बीट अधिकारी और महिला कोतवाली के संपर्क नंबर उपलब्ध कराए, साथ ही आपात स्थिति में 112 हेल्पलाइन पर संपर्क करने की जानकारी भी दी। पुलिस ने आश्वस्त किया कि स्वास्थ्य या अन्य किसी भी समस्या में तत्काल मदद उपलब्ध कराई जाएगी। होली के मौके पर पुलिस कर्मियों को अपने बीच पाकर बुजुर्ग भावुक नजर आए और उन्होंने पुलिस टीम को आशीर्वाद दिया।

राठ के होलियारों ने बाजार में खेली होली

रुद्रप्रयाग(आरएनएस)। होली पर राठ क्षेत्र के ओरागढ़ गांव के होलियारों की टीम जिले के मुख्य बाजारों में लोगों के साथ होली खेल रहे हैं। नगर मुख्यालय, समेत तिलवाड़ा व अगस्त्यमुनि के कई स्थानों पर राठ से आई इस टीम ने सुंदर गीतों से लोगों को भाव विभोर किया और गांवों से पलायन रोकने का संदेश दिया। टीम के सदस्य अखिलेश ने बताया कि हमारी यह पहल पहाड़ की सांस्कृतिक विरासत को घर-घर तक पहुंचाने की है। वहीं टीम श्रीनगर, धारी देवी होते हुए जिले के प्रमुख बाजारों में घूम कर यही संदेश दे रही है। इधर जिले में गांव-गांव के बच्चों की होलियारों की टीम झंडी के साथ बाजारों में पहुंच रही है।

वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगजनों के लिए नौ से लगेंगे शिविर

रुद्रप्रयाग(आरएनएस)। जनपद के वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगजनों को निशुल्क सहायक उपकरण उपलब्ध कराने के लिए 9 से 12 मार्च तक परीक्षण शिविर आयोजित किए जाएंगे। शिविर समाज कल्याण विभाग व विकासखंड के सहयोग से रुद्रप्रयाग, जखोली, ऊखीमठ व अगस्त्यमुनि में लगाए जाएंगे। जिला समाज कल्याण अधिकारी टीआर मलेठा ने बताया कि नौ मार्च को जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र, कमला भवन रुद्रप्रयाग, 10 को बीडीओ कार्यालय ऊखीमठ, 11 को जखोली और 12 को अगस्त्यमुनि मुख्यालय में शिविर लगाए जाएंगे। राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना के तहत पात्र लाभार्थियों को दैनिक जीवन में उपयोगी सहायक उपकरण निशुल्क प्रदान किए जाएंगे। योजना का लाभ लेने के लिए आधार कार्ड और बीपीएल व अंत्योदय राशन कार्ड या मासिक आय 15 हजार रुपये से कम होने का आय प्रमाणपत्र आवश्यक होगा। दिव्यांगजनों के लिए दिव्यांग प्रमाण पत्र और यूडीआईडी कार्ड अनिवार्य रहेगा। साथ ही आधार कार्ड और मासिक आय 22,500 रुपये से कम होने का आय प्रमाणपत्र प्रस्तुत करना होगा।

सू- दोकू क्र.060

	2		6		8		3	
9		8		3		4		
							5	
5		2			7		6	
	8		4			1		3
				9				
8			9				1	
	5			1		6		2
		1	7				4	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.59 का हल

2	6	3	8	1	4	9	7	5
9	5	4	2	6	7	3	1	8
8	7	1	9	3	5		6	2
6	2	7	5	4	8	4	3	9
3	9	8	6	7	1	2	5	4
4	1	5	3	2	9	6	8	7
5	3	2	4	8	6	7	9	1
1	8	6	7	9	2	5	4	3
7	4	9	1	5	3	8	2	6

कैबिनेट मंत्री बहुगुणा के आवास पर रही होली की धूम

रुद्रपुर(आरएनएस)। कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा के आवास पर होली की धूम रही। लोग होली के गीतों पर ठुमके लगाते रहे। सारी दुनिया है दीवानी सौरभ भइया आपकी...आदि होली गीतों पर थारू होल्यारों ने ठुमके लगाए। अबीर गुलाल लगाकर एक दूसरे को बधाई दी।

सुबह 11 बजे मंत्री बहुगुणा के आवास पर होली गायन कार्यक्रम शुरू हुआ। पर्वतीय समाज, थारू समाज समेत विभिन्न संगठनों के महिला व पुरुष होल्यार पारम्परिक वेश में सजकर कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे। यहां होली गायन शुरू हुआ। छैला आज की रैन सुहावन...,बांके सेलवा के रंग ले के..., आज खेलब हो चाहे भी तू..., पिया रंगीन मोर सुनरी रंगई लो रंग लगई.., बलमा घर आयो फाल्गुन में..., मत जाओ पिया होली आयी रही..आदि होली गीतों पर होल्यार जमकर थिरके। ऊधमसिंह नगर के अलावा नैनीताल जनपद के लोग भी होली खेलने पहुंचे। करीब छह घंटे तक होली कार्यक्रम चला।

मंत्री बहुगुणा और पूर्व सीएम विजय बहुगुणा ने होली पर्व की बधाई दी। मंत्री बहुगुणा ने कहा कि त्योहार हमें जोड़ते हैं। त्योहार हमारी परम्पराओं को आगे बढ़ाने में मददगार हैं।

मंत्री बहुगुणा ने सभी होल्यारों को अबीर गुलाल लगाकर होली की बधाई दी। लोगों ने भी मंत्री बहुगुणा, पूर्व सीएम विजय बहुगुणा व मंत्री सौरभ की पत्नी सुमेधा बहुगुणा को अबीर गुलाल लगाकर बधाई दी।

यहां पालिकाध्यक्ष सुखदेव सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष कमल जिंदल, अमरजीत कटवाल, उदय राणा, पलविंदर सिंह औलख, दुग्ध संघ अध्यक्ष प्रभा रावत, जया जोशी, योगेंद्र रावत, राज्य सहकारी बैंक के पूर्व अध्यक्ष दान सिंह रावत, शिव कुमार मित्तल, सितारगंज सिडकुल इण्डस्ट्रीज वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष कृष्ण सत्यवली, विनय डबराल, फकीर सिंह कन्याल, अवनीश त्रिवेदी, संजय गोयल, राकेश ढल, राकेश त्यागी, सौरभ अरोरा, गोपाल बोरा, आदेश ठाकुर, गोपाल बिष्ट, पंकज गहतोड़ी, सतीश उपाध्याय, रवि रस्तोगी, बसंत जोशी, रमन चौधरी शामिल रहे।

मटीला धूरा में विज्ञान प्रदर्शनी में दिखी बच्चों की रचनात्मकता

अल्मोड़ा(आरएनएस)। विकासखंड ताड़ीखेत के राजकीय प्राथमिक विद्यालय मटीला धूरा में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर विज्ञान एवं शिक्षण सामग्री प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। सीमित संसाधनों के बीच आयोजित इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने अपने वैज्ञानिक मॉडल और प्रस्तुतियों से सभी को प्रभावित किया। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना और दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। मुख्य अतिथि निशा कनवाल और विशिष्ट अतिथि डायट अल्मोड़ा के वरिष्ठ प्रवक्ता भुवन चंद्र पांडे सहित अन्य अतिथियों का स्वागत किया गया। इस मौके पर जिला शिक्षा अधिकारी (प्रारंभिक) के प्रतिनिधि कुबेर नेगी, ग्राम प्रधान मटीला धूरा, क्षेत्र पंचायत सदस्य राम सिंह और सरपंच प्रताप सिंह सहित कई लोग मौजूद रहे। प्रदर्शनी में बच्चों द्वारा तैयार किए गए विभिन्न विज्ञान मॉडल आकर्षण का केंद्र रहे। वोल्केनो मॉडल, सौरमंडल, पवन चक्की, सूर्य घड़ी, प्रकाश संश्लेषण, ऊर्जा संरक्षण, टेलीफोन, स्मार्ट होम और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित मॉडल ने दर्शकों का ध्यान खींचा। विद्यार्थियों ने अपने मॉडलों के माध्यम से वैज्ञानिक सिद्धांतों को सरल तरीके से समझाया, जिसकी सराहना की गई। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के तहत संस्कृत, हिंदी, अंग्रेजी और कुमाऊनी भाषा में प्रस्तुत नाटकों ने भी दर्शकों को प्रभावित किया।

वनभूलपुरा में प्राधिकरण की देखरेख में लगेंगे शिविर

हल्द्वानी(आरएनएस)। वनभूलपुरा में रेलवे की जमीन खाली कराने से पहले प्रभावितों को प्रधानमंत्री आवास योजना का फायदा दिलाने के लिए प्रशासन ने कवायद देज कर दी है। बताया गया है कि राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की देखरेख में वनभूलपुरा में शिविर लगाए जाएंगे। इसके लिए प्रशासन स्तर पर शिविरों को लेकर विभागीय अधिकारियों से समन्वय स्थापित किया जा रहा है। जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल ने बताया कि प्रभावितों को आवास योजना का फायदा दिलाने के लिए पिछले दिनों प्रशासन, रेलवे, नगर निगम, प्राधिकरण, ग्राम विकास विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक ली गई थी। उन्होंने क्षेत्र में प्रभावितों को लेकर पूर्व में हुए सर्वे के बारे में जानकारी ली। बताया कि राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण से समन्वय स्थापित कर शिविरों के आयोजन को लेकर जल्द ही कार्ययोजना तय की जाएगी। 19 मार्च से पहले प्रभावितों को फार्म उपलब्ध करा दिए जाएंगे। फार्मों के प्रकाशन का कार्य शुरू कर दिया गया है। फार्म जमा कराने के लिए प्रभावित वार्डों में बड़ी संख्या में शिविर लगाए जाएंगे। पार्षदों व संस्थाओं के माध्यम से व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा। ताकि प्रभावित कोई भी परिवार फार्म भरने से न छूट पाए। इसके लिए प्रशासन व रेलवे विभाग संयुक्त रूप से कार्य करेगा। इस काम को पूरा करने के लिए पूर्व में क्षेत्र में सर्वे कर चुकी राजस्व विभाग व रेलवे की टीम से ही कार्य लिया जाएगा।

बनबसा नगर के जीजीआईसी में होगा पार्क का निर्माण

चम्पावत(आरएनएस)। चम्पावत जिले के बनबसा नगर के राजकीय बालिका इंटर कालेज परिसर में छात्राओं की सुविधा के लिए जल्द ही पार्क का निर्माण किया जाएगा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की घोषणा में शामिल पार्क निर्माण के लिए शासन की ओर से 34.43 लाख रुपये की धनराशि अवमुक्त कर दी गई है। कार्यदायी संस्था नगर पंचायत बनबसा की ओर से पार्क निर्माण के लिए टेंडरिंग प्रक्रिया शुरू कर दी है। नगर पंचायत बनबसा के अधिशासी अधिकारी दीपक चंद्र बुढलाकोटी के अनुसार जीजीआईसी बनबसा के परिसर में पार्क निर्माण किया जाएगा। जिसके लिए शासन की ओर से 34.43 लाख रुपये की धनराशि अवमुक्त की गई है। जीजीआईसी की छात्राओं की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए पार्क में सभी बुनियादी सुविधाओं का निर्माण और विस्तार किया जाएगा। नगर पंचायत अध्यक्ष रेखा देवी ने बताया कि जीजीआईसी में पार्क निर्माण का प्रस्तावित कार्य चार माह के भीतर पूरा कर लिया जाएगा।

पेंशनर्स की अनदेखी बंद करे सरकार, मांगों पर जल्द निर्णय ले

रुद्रपुर(आरएनएस)। उत्तराखंड गवर्नमेंट पेंशनर्स वेलफेयर ऑर्गेनाइजेशन की नगर निगम सभागार में आयोजित जिलास्तरीय बैठक में पेंशनर्स ने सरकार से उनकी मांगों पर जल्द निर्णय लेने का अनुरोध किया। कहा कि सरकार उनकी अनदेखी बंद करे। बैठक का संचालन करते हुए संगठन के महासचिव एसके नैय्यर ने कहा कि उत्तराखंड में वरिष्ठ नागरिकों की संख्या लगभग 13 लाख बताई जाती है, जो कुल जनसंख्या का करीब 11 प्रतिशत है। उन्होंने सरकार से पेंशनर्स की लंबित मांगों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि रुद्रपुर विधानसभा क्षेत्र में बड़ी संख्या में सरकारी पेंशनर्स निवास करते हैं, जो लोकतांत्रिक प्रक्रिया में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

बैठक में सात प्रस्ताव पारित कर राज्य सरकार को भेजने का निर्णय लिया गया। इनमें राजकीय व निजी चिकित्सालयों में कैशलेस उपचार सुविधा, 18 माह का फ्रीज डीए एरियर भुगतान, 65, 70, 75 व 80 वर्ष की आयु पर 5, 10, 15 और 20 प्रतिशत पेंशन वृद्धि, कम्प्यूटेशन कटौती अवधि 15 वर्ष से घटाकर 10 वर्ष 8 माह करना, गोल्डन कार्ड योजना की निगरानी के लिए जिलाधिकारी या मुख्य चिकित्सा अधिकारी को नोडल अधिकारी नियुक्त करना, एसजीएचएस के तहत कोषाधिकारियों को आहरण-वितरण अधिकारी बनाना और 30 जून व 31 दिसंबर को सेवानिवृत्त कर्मचारियों को एक वेतन वृद्धि प्रदान करना शामिल है। बैठक की अध्यक्षता बीएल साह ने कही। बैठक में जसपुर, काशीपुर, बाजपुर, गदरपुर, किच्छा, सितारगंज और खटीमा क्षेत्र से आए पेंशनर्स ने भाग लिया। इस दौरान सीएस रावत, पूरन चंद्र जोशी, पनवेश गुप्ता, लीलांबर जोशी, चंद्र सिंह रावत, जमुना प्रसाद, भूपाल सिंह, पीडी जोशी, पवन कुमार, मोहन सिंह बिष्ट, कुंदन सिंह रावत, नवीन चंद्र पांडे, त्रिवेणी सहाय गंगवार, प्रभाकर तिवारी, सुरेंद्र सिंह, बीएस चौहान, राम प्रसाद, राजकुमार त्यागी, विधा शर्मा, नेकचंद, मोहन लाल, कृष्णवीर सिंह, विजयपाल सिंह, आरके पवार, डीएस राठौर, वीके जोशी, डीबी सिंह, डॉ. आरसी जैन, डीके आर्या, कलावती, जानकी पंत, आशा के सिंह सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

अज्ञात वाहन की चपेट में आकर एक की मौत

संवाददाता

देहरादून। अज्ञात वाहन की चपेट में आकर एक की मौत हो गयी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार पौडी गढवाल निवासी शक्ति कुमार ने डोईवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसका भाई पंकज किसी काम से डोईवाला आया था जब वह लच्छीवाला के पास पैदल जा रहा था तभी अज्ञात वाहन ने उसको अपनी चपेट में ले लिया जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गयी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

दो दुपहिया वाहन चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने दो स्थानों से दो दुपहिया वाहन चोरी कर लिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार कालसी निवासी माया सिंह चौहान ने कालसी थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह क्षेत्र में स्वीट शॉप पर गया था। उसने अपनी मोटरसाईकिल कालसी गेट पर खडी की थी लेकिन जब वह थोडी देर बाद वापस आया तो उसकी मोटरसाईकिल अपने स्थान से गायब थी। वहीं भानियावाला निवासी मुमताज खान ने डोईवाला कोतवाली में लालतप्पड फैक्ट्री की पार्किंग से अपनी मोटरसाईकिल चोरी होने का मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस ने दोनों मुकदमें दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

मकान का ताला तोड लाखों के जेवरात व नगदी चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने मकान का ताला तोडकर वहां से लाखों रूपये के जेवरात व नगदी चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार अग्रसेन नगर निवासी अनीता वशिष्ठ ने ऋषिकेश कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह परिवारके साथ बाहर गयी थी लेकिन जब आज वह वापस आयी तो उसने देखा कि उसके मकान का ताला टूटा हुआ था तथा अन्दर सारा सामान बिखरा हुआ था। चोर उसके यहां से जेवरात नगदी व सामान चोरी करके ले गये हैं। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

नौकरानी एक लाख रुपये नगद व जेवरात चोरी कर चंपत

संवाददाता

देहरादून। घर से एक लाख रूपये नगद व जेवरात चोरी कर नौकरानी चंपत हो गयी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रगति एन्क्लेव निवासी परमेन्द्र सिंह थापा ने प्रेमनगर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उनके यहां पर अनीता नामक महिला काम करती थी। जब वह काम पर नहीं आयी तो उसने अपने घर की तलाशी ली तो उसके घर से एक लाख रूपये नगद व जेवरात गायब थे। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

शराब के साथ गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने शराब के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ऋषिकेश कोतवाली पुलिस ने चन्द्रेश्वर नगर के पास एक व्यक्ति को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उसको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से 40 पव्वे शराब के बरामद कर लिये। पूछताछ में उसने अपना नाम राजू उर्फ लारी पुत्र रम्पत निवासी चन्द्रेश्वर नगर बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

कांग्रेसियों ने कौलागढ़ छात्रावास में बच्चों...

◀◀ पृष्ठ 2 का शेष

छात्रावास निवासी दिगम्बर सिंह चौहान को कुश्ती में राज्य स्तर पर चयन के लिए बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने गुरुजनों की सराहना करते हुए कहा कि वे छात्रों को पढ़ाई के साथ-साथ अनुशासन, संस्कार और खेल गतिविधियों के लिए भी निरंतर प्रेरित कर रहे हैं, जो अत्यंत सराहनीय है। कार्यक्रम में कांग्रेस नेत्री व वार्ड 31 की पूर्व कांग्रेस प्रत्याशी पिया थापा ने बच्चों को गुलाल लगाया व मिष्ठान वितरण किया। इस अवसर पर कांग्रेस प्रवक्ता अभिनव थापर, पिया थापा, गोरखा प्रकोष्ठ अध्यक्ष अनिल बसनेत, विक्रम शाही, रितेश छेत्री, पीयूष जोशी सहित अन्य साथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

गढ़वाली होली गीत 'खेलन दे होली' मचा...

◀◀ पृष्ठ 2 का शेष

होली परंपरा को दर्शाया है और इसे रंगों का त्योहार नहीं, बल्कि गीतों और नृत्य 'झुमैलो और चौंफला' का उत्सव भी बनाने की दिशा में प्रयास किया है। गीत में पहाड़ी बोली के साथ-साथ पारंपरिक वाद्य यंत्रों से श्रोताओं को अपनी जड़ों से जोड़ने का कार्य किया है। पहाड़ के युवाओं के बीच दीपक के गीत अपनी ताजगी और सरल पहाड़ी शब्दों के कारण काफी चर्चित हैं। गीतों के माध्यम से होली खेलने की अनुमति मांगते हुए होली के उत्सव के उल्लास को व्यक्त करने के साथ-साथ नई पीढ़ी के लिए उत्तराखंडी की लोक संगीत से जुड़ने के लिए भी प्रेरित किया गया है।

डीएम के प्रयासों से मुख्यधारा से जुड़ने लगा सड़क पर बिखरा बचपन

❑बाल श्रम, भिक्षावृत्ति से मुक्त बच्चे अब खेल स्पर्धा में कर रहे हैं प्रतिभाग

संवाददाता

देहरादून। जिलाधिकारी सविन बंसल के संवेदनशील एवं दूरदर्शी प्रयासों से सड़क पर भटकता और भिक्षावृत्ति व बालश्रम में संलिप्त बचपन अब शिक्षा की मुख्यधारा से जुड़ने लगा है। जिला प्रशासन द्वारा संचालित आधुनिक इंटेंसिव केयर सेंटर ऐसे बच्चों के जीवन में नई आशा की किरण बनकर उभरा है। कभी मुरझाए हुए चेहरों पर अब त्योहारों की खुशियां दिखाई दे रही हैं। उनकी आंखों में भविष्य के सुनहरे सपने संजोए जा रहे हैं। आधुनिक इंटेंसिव केयर सेंटर में न केवल उनके स्वास्थ्य और सुरक्षा का ध्यान रखा जा रहा है, बल्कि उनके भविष्य की स्पष्ट दिशा भी तय की जा रही है।

जिला प्रशासन की इस अभिनव पहल के तहत अब तक 174 से अधिक बच्चों को भिक्षावृत्ति एवं बाल श्रम से मुक्त कर शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ा जा चुका है। रेस्क्यू अभियान के माध्यम से चिन्हित बच्चों को आधुनिक केयर सेंटर में लाकर काउंसलिंग, ब्रिज कोर्स, नियमित शिक्षा, पोषण, स्वास्थ्य परीक्षण एवं मानसिक संबल प्रदान किया जा रहा है।

हारिश, कक्षा 6, साधुराम इंटर कॉलेज का छात्र है। वह शारीरिक रूप से अत्यंत सक्रिय है और सभी प्रकार की खेल गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लेता है। वह मई माह 2025 में आईसीसी से जुड़ा था। उससे पहले वह किसी भी विद्यालय में नामांकित नहीं था और उसे औपचारिक स्कूली शिक्षा का पूर्व अनुभव भी नहीं था। आईसीसी से जुड़ने के बाद अगस्त 2025 माह में उसे कक्षा 6 में साधुराम इंटर कॉलेज में मुख्यधारा में प्रवेश दिलाया गया।

विद्यालय में प्रवेश के पश्चात उसने नियमित उपस्थिति दर्ज कराई है तथा प्रत्येक खेल गतिविधि में उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी सक्रियता और प्रतिभा का उत्कृष्ट परिचय दिया है।

जिलाधिकारी के निर्देशन में संबंधित विभागों की समन्वित कार्यवाही से इन बच्चों को औपचारिक विद्यालयों में प्रवेश दिलाया जा रहा है। इसके साथ ही सेंटर में संगीत, योग, खेलकूद एवं रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से उनके सर्वांगीण विकास पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

हाल ही में सेंटर के बच्चों ने उत्साहपूर्वक होली का पर्व मनाया। रंगों के साथ खिलखिलाती हंसी यह संदेश दे रही थी कि अब यह बचपन उपेक्षा का नहीं, बल्कि अवसरों का प्रतीक है। तीज-त्योहारों में सहभागिता से बच्चों में आत्मविश्वास एवं सामाजिक जुड़ाव की भावना विकसित हो रही है।

जिला प्रशासन द्वारा निरंतर रेस्क्यू अभियान चलाकर बालश्रम एवं भिक्षावृत्ति में संलिप्त बच्चों की पहचान की जा रही है। ऐसे बच्चे जो पारिवारिक, आर्थिक या सामाजिक परिस्थितियों के कारण इन गतिविधियों में संलिप्त थे, उन्हें सुरक्षित वातावरण प्रदान कर शिक्षा और कौशल विकास की दिशा में अग्रसर किया जा रहा है।

जिलाधिकारी ने कहा कि प्रत्येक बच्चे को सुरक्षित, सम्मानजनक और शिक्षित जीवन का अधिकार है। प्रशासन का उद्देश्य केवल बच्चों को रेस्क्यू करना नहीं, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी नागरिक बनाना है।

आज जो बच्चे कभी सड़कों पर थे, वही अब विद्यालयों में नियमित रूप से अध्ययन कर रहे हैं, खेल प्रतियोगिताओं में भाग ले रहे हैं तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों में अपनी प्रतिभा दिखा रहे हैं। उनकी बदलती जिंदगी अन्य जरूरतमंद बच्चों और समाज के लिए प्रेरणा बन रही है।

जिला प्रशासन की यह पहल समाज के सहयोग से और अधिक सशक्त रूप से आगे बढ़ाई जा रही है, ताकि कोई भी बच्चा शिक्षा और सम्मानजनक जीवन से वंचित न रहे।

सरकार की लापरवाही से प्रदेश की आम जनता इलाज से वंचितः धस्माना

संवाददाता

देहरादून। एआईसीसी सदस्य व प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना ने कहा कि प्रदेश सरकार की लापरवाही से प्रदेश की आम जनता इलाज से वंचित हो रही है।

आज यहां एआईसीसी सदस्य व प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना ने अपने कैंप कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार राज्य के सबसे बड़े निजी अस्पतालों हिमालयन अस्पताल जौलीग्रांट, महंत इंद्रेश अस्पताल देहरादून व ग्राफिक एरा अस्पताल सेलाकुई का विभिन्न सरकारी स्वस्थ योजनाओं का अरबों रुपया भुगतान ना करने से ये अस्पताल आर्थिक परेशानी का सामना कर रहे हैं और परिणामस्वरूप अस्पताल आयुष्मान कार्ड, गोल्डन कार्ड, ईएसआईसी व एसजीएचएस कार्ड धारक मरीजों का इलाज करने में आनाकानी कर रहे हैं जिससे राज्य के उक्त स्कीम्स के कार्ड धारक हल्कान हैं और इलाज के लिए दर दर भटक रहे हैं। धस्माना ने कहा कि अकेले महंत इंद्रेश अस्पताल का राज्य सरकार ने एक सौ करोड़ से ज्यादा भुगतान करना है जिसमें अकेले आयुष्मान भारत का चवालीस करोड़ रुपए से ज्यादा पैसा सरकार पर बकाया है जो देश के प्रधानमंत्री की सबसे ज्यादा प्रचरित स्वास्थ्य योजना है। धस्माना ने कहा कि हिमालयन अस्पताल जौली ग्रांट, महंत इंद्रेश अस्पताल देहरादून व ग्राफिक एरा अस्पताल में सामान्य मरीजों के अलावा राज्य का अधिकांश मरीज जो सीएचसी,पीएचसी व जिला अस्पतालों से हाइयर सेंटरों के लिए रेफर होते हैं वो इलाज के लिए आते हैं जिनमें कैंसर, हृदय रोग, लिवर, किडनी व फेफड़ों की बीमारी के गंभीर मरीज होते हैं । उन्होंने कहा कि राज्य सरकार को स्वास्थ्य सेवा जैसी प्राथमिकता वाले विषय को सबसे अधिक गंभीरता से लेना चाहिए किंतु सरकार का आचरण इसके ठीक विपरीत है और राज्य की जनता को बेहतरीन व सस्ता इलाज उपलब्ध करवाने वाले इन बड़े अस्पतालों को उन्हों के पैसों के लिए इस तरह परेशान करना सरकार की घोर लापरवाही को दर्शाता है। धस्माना ने कहा कि वे शीघ्र इस संबंध में इन अस्पतालों का सरकार के ऊपर चढ़ा कर्ज का ब्यौरा एकत्रित कर मुख्यमंत्री को पेश करूंगा और उनसे तत्काल भुगतान करने की मांग करूंगा ताकि आम जनता को इन अस्पतालों में इस कारण इलाज के लिए मना नहीं किया जाए।

हरिद्वार में केंद्रीय गृह मंत्री के दौरे की तैयारी तेज

मुख्यमंत्री ने बैरागी कैंप का किया स्थलीय निरीक्षण

कार्यालय संवाददाता

हरिद्वार। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को हरिद्वार स्थित बैरागी कैंप में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह के प्रस्तावित भ्रमण कार्यक्रम की तैयारियों का स्थलीय निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम स्थल पर पहुंचकर व्यवस्थाओं का विस्तृत जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री का उत्तराखण्ड आगमन राज्य के लिए महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने निर्देश दिए कि कार्यक्रम की सभी व्यवस्थाएं सुव्यवस्थित, सुरक्षित एवं समयबद्ध रूप से सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने मंच व्यवस्था, बैठने की व्यवस्था, पार्किंग, पेयजल, विद्युत आपूर्ति, स्वच्छता तथा यातायात प्रबंधन सहित सभी व्यवस्थाओं की गहन समीक्षा की।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सुरक्षा व्यवस्था में किसी प्रकार की शिथिलता न बरती जाए तथा पुलिस एवं प्रशासन आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर आने वाले आमजन की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। साथ ही, चिकित्सा सुविधा, आपातकालीन सेवाओं एवं अग्निशमन व्यवस्था को पूर्ण रूप से तत्पर रखने को कहा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में अनुशासन, पारदर्शिता एवं सुचारू संचालन सर्वोपरि है। उन्होंने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए कार्यक्रम को सफल बनाने का आह्वान किया।

निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने यातायात व्यवस्था को सुदृढ करने हेतु पुलिस को पुरा प्लान तैयार करने के निर्देश दिये उन्होने कहा कि शहर में किसी भी प्रकार की जाम की स्थिति न हो यातायात सुचारू रहें ताकि आमजनमानस को असुविधा न होने पाये।

निरीक्षण के दौरान राज्यसभा सांसद एवं भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट, जिला पंचायत अध्यक्ष किरन चौधरी, मेयर हरिद्वार किरन जैसल, विधायक मदन कौशिक, आदेश चौहान, प्रदीप बत्रा, भाजपा जिलाध्यक्ष आशुतोष शर्मा, पुलिस महानिरीक्षक गढ़वाल राजीव स्वरूप, अपर सचिव बंशीधर तिवारी, एमडी शिडकुल सौरव गैहरवार, मुख्य विकास अधिकारी ललित नारायण मिश्रा, सहित सम्बन्धित अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि मौजूद रहें।

बीजेपी नेताओं को 'गिफ्ट'

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। चुनावी साल में सभी राजनैतिक दल अपनी तैयारियों में लगे हुए है। उत्तराखंड में 2027 विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा हर कमी को पूरा करना चाहती है और संगठन को मजबूत करने में जुट गईईहै। वहीं दायित्वधारियों की सूची को लेकर राजनीतिक गलियारों में चर्चाएं तेज हो गई हैं। इससे साफ है कि पार्टी में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है।

चुनावी साल में अपनी पार्टी से रूठों को मनाने से लेकर दल में नये लोगों को जोड़ने और पार्टी के पुराने कार्यकर्ताओं को संगठन में उचित सम्मान देने का

●दायित्वधारियों की सूची को लेकर राजनीतिक गलियारों में चर्चाएं
●राजनीतिक समीकरण के हिसाब से दल अपनी रणनीति बना रहे

कार्य किया जा रहा है। राजनीतिक समीकरण के हिसाब से दल अपनी रणनीति बना रहे है। भाजपा अपने कार्यकर्ताओं को चुनाव से पूर्व सम्मान देने के साथ ही मजबूत करने के लिए सरकार में दायित्व देगी। इसी को देखते हुए राजनीतिक गलियारों में फिर से चर्चाएं तेज हो गई हैं कि कार्यकर्ताओं को दायित्व जल्द मिल सकता है।

सूत्रों के अनुसार सरकार में कार्यकर्ताओं को दायित्व देने के लिए कुल 27 पदों के लिए अलग-अलग चरणों में सूची जारी करने के लिए तैयारी चल रही है। पहले यह चर्चा थी कि होली पर दायित्वधारियों को तोहफा मिल सकता है, जिसमें पहले चरण में 12 से 14 नाम सामने आ सकते हैं, लेकिन होली पर भी सूची जारी नहीं हो पायी। अब बताया जा रहा है कि केंद्रीय मंत्री अमित शाह के भ्रमण के बाद लिस्ट फाइनल हो सकती है।

बता दें कि अब तक उत्तराखंड सरकार लगभग 70 कार्यकर्ताओं को विभिन्न दायित्व सौंप चुकी है, जिनमें से 45 गढ़वाल और 25 कुमाऊं क्षेत्र से हैं। राजनीतिक विशेषज्ञ बताते है कि चुनावी साल में यह आम है। हर दल जिसकी सरकार होती है वह कार्यकर्ताओं को दायित्व सौंपती है और चुनावी साल में अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए पार्टियां कार्यकर्ताओं को खुश करने के लिए करती है। हालांकि इसका फायदा चुनाव के समय पार्टियों को होता भी है।

महंत देवेंद्र दास महाराज को होली और झंडे मेले की दी शुभकामनाएं

देहरादून (कासं)। श्रीमहाकाल सेवा समिति के मुख्य संरक्षक भागवताचार्य सुभाष जोशी और समिति के अध्यक्ष रोशन राणा ने महाराज से भेंट कर होली और झंडे मेले की शुभकामनाएं दी।भागवताचार्य सुभाष जोशी और महंत देवेंद्र दास महाराज की वार्तालाप में धार्मिक मान्यताओं पुजा पद्धतियों पर विस्तृत चर्चा भी हुई। इस दौरान महंत ने महाकाल सेवा समिति द्वारा किए जा रहे सेवा कार्यों की भूरी-भूरी प्रशंसा करते हुए अपना सभी को आशीर्वाद भी दिया।

एक किलो 348 ग्राम चरस के साथ युवक गिरफ्तार

संवाददाता

उत्तरकाशी। पुलिस ने एक किलो 348 ग्राम चरस के साथ एक को गिरफ्तार कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। पुलिस अधीक्षक ने पुलिस टीम को ढाई हजार रूपये ईनाम की घोषणा की।

आज यहां इसकी जानकारी देते हुए पुलिस अधीक्षक कमलेश उपाध्याय ने बताया कि होली के त्योहार के दृष्टिगत सभी पुलिस अधिकारियों को अलर्ट मोड पर रखा गया। त्योहार के दौरान अवैध मादक पदार्थो की तस्करी में लिप्त लोगों एवं अनैतिक गतिविधियों पर पुलिस द्वारा पैनी नजर रखी जा रही है। जिसके चलते थानाध्यक्ष मोरी दीपक रावत के नेतृत्व में पुलिस टीम का गठन किया

गया। टीम द्वारा विगत रात्रि में चैकिंग के दौरान मोरी, बागी मौताड बैंड के पास आयुष ठाकुर नाम के युवक को स्विफ्ट डिजायर से अवैध चरस की तस्करी करते हुए गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने युवक के कब्जे से एक किलो 348 ग्राम चरस बरामद कर ली। पूछताछ में उसने बताया कि होली के त्यौहार के दौरान नशीले पदार्थो की खपत को देखते हुए वह यह चरस देहरादून क्षेत्र में बेचने की फिराक में था। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

दुबई से एक स्पेशल फ़्लाइट से 100 से ज़्यादा फंसे हुए भारतीय घर लौटे

कार्यालय संवाददाता

नई दिल्ली। मंगलवार दोपहर दुबई से एक स्पेशल फ़्लाइट से 100 से ज़्यादा फंसे हुए भारतीय घर लौटे। उन्होंने आखिरी समय में फ़्लाइट कैंसल होने, सेफ़्टी अलर्ट और मिडिल ईस्ट के कुछ हिस्सों में बढ़ती अशांति के बाद अनिश्चितता के तनावपूर्ण घंटों के बारे में बताया।

दुबई से तीसरी स्पेशल फ़्लाइट मंगलवार को दोपहर करीब 12.50 बजे इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट के टर्मिनल 3 पर लैंड हुई। नोएडा में रहने वाले अरविंद ने कहा, हमें 28 फरवरी को लौटना था, लेकिन फिर अशांति बढ़ने के कारण, हमारी फ़्लाइट आखिरी मिनट में कैंसल कर दी गई। हमने शुरू में सोचा कि

हम एयरपोर्ट पर ही रहेंगे और जो भी अगली फ़्लाइट मिलेगी, उसमें बैठ जाएँगे। लेकिन फिर हमारे फ़ोन पर अलर्ट आते रहे और अंदर रहने के अनाउंसमेंट होते रहे। आखिर में, हमने तय किया कि एयरपोर्ट पर इंतज़ार करने के बजाय होटल में रुकना बेहतर है। हम सच में एयर इंडिया के शुक्रगुजार हैं। यह एयरलाइन का एक सीक्रेट इवैक्युएशन ऑपरेशन जैसा था। हमें कल (सोमवार) रात करीब 10 बजे उनका कॉल और मैसेज आया, जिसमें कहा गया था कि कल सुबह एक फ्लाइट है, लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि अभी भी 50-50 चांस है। हमने उन्हें बताया कि हम चांस लेने के लिए तैयार हैं।

अरविंद उन लोगों में से थे जो इस अनिश्चितता के बीच वापस लौटने में कामयाब रहे। कई पैसेंजर्स ने एयरपोर्ट पर अफरा-तफरी, बार-बार अनाउंसमेंट और रीशेड्यूल डिपार्चर को लेकर कन्फ्यूजन के बारे में बताया।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।